तापमान
अधिकतम 35.7 डिग्री
न्यूनतम 25.3 डिग्री

हरिभूमि
# जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

10 राज्य सरकार की उपलब्धियों का किया जा रहा है प्रचार

10 पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने सड़कों ...

# BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

*(Unique Blend of Science and Spirituality)*

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With India's Best Quality Award

New Normal 2023 EDUCATION LEADERSHIP SUMMIT & AWARDS NEW DELHI 21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land | 80+ Programmes | 15000+ Students | 5200+ Placed Student | 65+ Yrs. In Education | 25000+ Regi. Alumni | 500+ Faculty | 50+ Departments | 1800+ Res. Paper Published



## ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

## PROGRAMMES OFFERED

### FACULTY OF ENGINEERING
**B.Tech.**-Computer Science and Engg.
-AIML
-Data Science
-Cyber Security
-IOT & Blockchain
-Comp. Animation & Gaming
**B.Tech.**-Civil Engg.
-Transportation Engg.
-Structural Engg.
**B.Tech.** (Mechanical Engg.)
**B.Tech.** (Electronics & Comm. Engg.)
**M.Tech.** (Computer Science and Engg.)
**M.Tech.** (Civil Engg.)
-Transportation Engg.
-Structural Engg.

### FACULTY OF HUMANITIES
**B.A.** (Bachelor of Arts)
**B.A.** (Bachelor of Arts) Hons. with Research
**B.A.** (Bachelor of Arts) English (Hons.)
**B.A. J.M.C.**
**B.A. J.M.C.- Hons. with Research**
**B.Lib. & Info. Science**
**Shastri**
**M.A.**-Hindi
**M.A.**-English
**M.A.**-History
**M.A.**-Pol. Sc.
**M.A.**-Economics
**M.A.**-Education
**M.A.**-Sociology
**M.A.**-Pub. Admin.
**M.A.**-Geography
**M.A.**-J.M.C.
**M.A.**-Sanskrit
**M. Lib. & Info. Science**
**DIPLOMA**
-Leadership & Management
-Guidance & Counselling
-Early Childhood Care & Education

### FACULTY OF PHARMACY
**D. Pharm.**
**B.Pharm.**
**M.Pharm.**-(Pharmaceutics)
**M.Pharm.**-(Pharmacology)

### FACULTY OF AYURVEDA
**BAMS** -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

### FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
**BPT** (Bachelor of Physiotherapy)
**B.Sc.**-Medical Lab Technology
**B.Sc.**-Ophthalmic Technology
**MPT**-Sports
**MPT**-Neurology
**MPT**-Orthopaedics
**MPT**-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

### FACULTY OF SCIENCES
**B.Sc.**-(Hons.) Agriculture
**B.Sc.**-Mathematics
**B.Sc.**-Hons. in Mathematics
**B.Sc.**-Physics
**B.Sc.**-Hons. in Physics
**B.Sc.**-Chemistry
**B.Sc.**-Hons. in Chemistry
**B.Sc.**-Bio-Technology
**B.Sc.**-Hons. in Bio-Technology
**B.Sc.**-Home Science
**B.Sc.**-Hons. in Home Science
**B.Sc.**-Physical Sciences
**B.Sc.**-Physical Sciences with Major Mathematics
**B.Sc.**-Physical Sciences with Major Physics
**B.Sc.**-Physical Sciences with Major Chemistry
**B.Sc.**-Life Sciences
**B.Sc.**-Life Sciences with Major Botany
**B.Sc.**-Life Sciences with Major Zoology
**B.Sc.**-Life Sciences with Major Chemistry
**M.Sc.**-Physics
**M.Sc.**-Chemistry
**M.Sc.**-Botany
**M.Sc.**-Zoology
**M.Sc.**-Bio-Technology
**M.Sc.**-Mathematics
**M.Sc.**-Home Science

### FACULTY OF MGT. AND COMM.
**BBA**
-Digital Marketing & Sales
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
-Hons. With Research
**MBA**
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
**B.Com**
-General
-Professional-CA Stream
-Professional-CS Stream
-Hons. With Research
**M.Com.**
**BCA**
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation
**MCA**
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation

### Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

### FACULTY OF LAW
**B.A. LL.B.** - (5 Years Integrated Programme)
**LL.B.** - (3 Years)
**LL.M.** - (2 Years)

### FACULTY OF NURSING
***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
**Post Basic B.Sc. Nursing** -(2 Years after GNM)

### Ph.D.-Available in All Streams

### WHY TO CHOOSE BMU
- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

### SALIENT FEATURES
» Wi-fi Campus
» 24x7 Electricity
» Well stocked Libraries
» Well equipped Laboratories
» Separate Hostel for Boys/Girls
» Air-Conditioned Auditorium
» NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
» Hospitals having modern Equipments
» CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

## खबर संक्षेप

### वृक्षों के अंधाधुंध कटान से बिगड़ने लगा पर्यावरण

**यमुनानगर।** भाजपा महिला मोर्चा रादौर के तत्वावधान में शनिवार को कस्बा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। मोर्चा की सदस्यों ने मंडल अध्यक्ष डॉ. प्रीत गर्ग के नेतृत्व में पौधारोपण कर सभी को वातावरण हरा भरा रखने का संदेश दिया। मंडल अध्यक्ष डॉक्टर प्रीत गर्ग ने बताया कि हमें अपने पर्यावरण से प्यार करना चाहिए। दिन प्रतिदिन दुनिया से लाखों पेड कम होते जा रहे हैं। मानव की अंधाधुंध पेड़ों की कटाई के कारण पर्यावरण बिगड़ने लगा है। इस अवसर पर मोर्चा की उपाध्यक्ष नीलम रानी, महामंत्री व जिला पार्षद संगीता कंबोज, सचिव सुनीता, सीमा देवी, सुमन रानी व मेवा रानी आदि मौजूद रही।

### शादी का झांसा देकर महिला के साथ किया दुष्कर्म

**यमुनानगर।** शहर की एक कॉलोनी में युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए और उसकी अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोपी युवक दिनेश बग्गा ने महिला के पति को उसकी ऑडियो क्लिप सुना दी। जिससे उसके पति ने उससे तलाक ले लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

### घर में घुसकर मां बेटी के साथ छेड़छाड़ व मारपीट

**यमुनानगर।** प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में दो युवकों ने रात के समय घर में घुसकर मां बेटी के साथ छेड़छाड़ की। उनके विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

### प्राइमरी स्कूल में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

**रादौर।** क्रिकेट क्लब व ग्रामीणों के संयुक्त तत्वावधान में गांव किशनपुरा दामला के प्राइमरी स्कूल में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि एवं भारतीय किसान यूनियन(टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुभाष गुज्जर ने रिबन काटकर किया।

# नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों रुपये के करवाए जा रहे हैं विकास कार्य

## शहर में होने वाले विकास कार्यों के नगर निगम ने जारी किए टेंडर: सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विकास कार्यों की जानकारी देते हुए निगम आयुक्त आयुष सिन्हा।

- टेंडर अलॉट होते ही निर्माण शुरू कराया जाएगा

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा ट्विन सिटी में जल्द ही 262.11 लाख रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। विकास कार्यों के लिए नगर निगम ने टेंडर जारी किए हैं। इनमें 60.69 लाख के नए विकास कार्यों के टेंडर लगाए गए हैं। जबकि 201.42 लाख के विकास कार्यों के टेंडर रिकॉल किए गए हैं। टेंडर अलॉट होते ही नगर निगम द्वारा विकास कार्यों का निर्माण शुरू कराया जाएगा। उक्त जानकारी नगर निगम के आयुक्त आयुष सिन्हा ने दी।

निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि शहर में बसे हर व्यक्ति की राह सुगम हो सके और उसे चलने के लिए पक्की गलियां व सड़कें मिले। रहने के लिए सुरक्षित स्थान मिले। इसके लिए नगर निगम प्रयासरत है। नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। हाल ही में लगभग सवा 15 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के फंड बुक किए गए थे। अब इनके टेंडर लगाने का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही कई वार्डों में करोड़ों रुपये के विकास होंगे। 13.15 लाख की लागत से वार्ड 21 की शिवपुरी ए कॉलोनी की विभिन्न गलियों में पानी की निकासी के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन डाली जाएगी। 4.23 लाख की लागत से वार्ड संख्या 11 के गांव दड़वा में राजीव सिंधे के घर से अंबेडकर भूमि तक पक्की गली और नाली का निर्माण किया जाएगा। 23.33 लाख की लागत से वार्ड दस की हरि पार्षद कॉलोनी में विभिन्न गलियों एवं नालियों का निर्माण किया जाएगा। 19.98 लाख की लागत से वार्ड नंबर आठ के मॉडल टाउन में आरपी बग्गा के घर से भूषण साहनी के घर और पीएस भाटिया क घर से अनिल शर्मा के घर तक पक्की गली का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों के लिए नगर निगम द्वारा टेंडर जारी किए है। टेंडर अलॉट होने की निर्माण कार्य शुरू कराए जाएंगे।

### ये भी किए जाएंगे विकास कार्य

निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि वार्ड 12 के गांव पांसरा में 14.37 लाख की लागत से पाल धर्मशाला में शौचालय एवं रसोई का निर्माण, वार्ड 15 में 2.96 लाख की लागत से छोटी लाइन में पानी निकासी के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन डाली जाएगी। 15.45 लाख की लागत की वार्ड 13 के जम्मू कॉलोनी स्थित लाडो पार्क व शहीद रॉकी हर्बल पार्क में वेलकम गेटों का निर्माण किया जाएगा। वार्ड 12 में 15.30 लाख की लागत से गांव रायपुर की गुरु रविदास धर्मशाला का अधूरा कार्य पूरा किया जाएगा। 7.36 लाख की लागत से वार्ड नंबर 19 के ससौली गांव स्थित ज्वाला माता मंदिर के पास स्वागत द्वार का निर्माण किया जाएगा। वार्ड 16 के लक्ष्मी गार्डन में 14.91 लाख की लागत से गली का निर्माण और पानी निकासी के लिए एनपी दो पाइप डाली जाएगी। 14.73 लाख की लागत से वार्ड नंबर 12 के पांसरा के पश्चिम में बने सामुदायिक केंद्र में शौचालय और रसोई का निर्माण किया जाएगा। वार्ड आठ के मॉडल टाउन में 4.24 लाख की लागत से सरकारी स्कूल से कृष्णा बुटीक तक पानी निकासी के लिए एनपी 2 पाइप लाइन बिछाई जाएगी। 54.05 लाख की लागत से वार्ड नौ की शास्त्री कॉलोनी में ओबरॉय चौक से गोनी आनंद के घर तक, पीसी अग्रवाल के घर से पीएनटी कॉलोनी तक और कविता अरोड़ा के घर से रामनिवास गर्ग के घर तक तक सीसी सड़क का सुदृढ़ीकरण और निकासी के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह 4.24 लाख की लागत से वार्ड नंबर आठ की थापर कॉलोनी में एसएस दुआ के से सहगल के घर तक निकासी के लिए पाइप लाइन डाली जाएगी। 31.29 लाख की लागत से वार्ड नौ की मॉडल कॉलोनी में अशोक बग्गा की दुकान से कुलदीप सिंह की दुकान तक बॉक्स टाइप नालाए आर्य समाज मंदिर से क्लासिक्स क्रिएशन तक और क्लासिक्स क्रिएशन से एनपी मेहता के घर तक और अशोक बग्गा की दुकान से विजय लांबा के घर तक निकासी के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन डाली जाएगी। 4.23 लाख की लागत से गांव तेजली में विजय वाली गली और नरेश धीमान के घर से कली राम तक गली व नाली का निर्माण किया जाएगा। तीन लाख की लागत से कैंप में नाले की आरसीसी दीवार का निर्माण किया जाएगा। 15.29 लाख की लागत से गांव पांसरा के अंबेडकर भवन में शौचालय एवं रसोई का निर्माण किया जाएगा। इन विकास कार्यों के लिए टेंडर रिकॉल किए गए है

# राजकीय स्कूल नाचरौन में सिलेंडर में लगी आग

यमुनानगर के गांव नाचरौन स्थित राजकीय स्कूल में सिलेंडर में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

राजकीय स्कूल नाचरौन में रसोई में रखे सिलेंडर में अचानक आग लगने से हडकंप मच गया।आनन फानन में सिलेंडर को कमरे से बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। लगभग 20 मिनट की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया गया।

सिलेंडर में आग लगने की वजह स्कूल द्वारा खाना बनाने के लिए घटिया प्रकार के उपकरणों का इस्तेमाल बताई जा रही है। समाजसेवी डॉ. लाभ सिंह समेत अन्य बच्चों के अभिभावकों ने बताया कि इस प्रकार की घटनाएं बच्चों के जीवन के लिए खतरा हैं। यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो कोई भी अनचाही घटना हो सकती थी। स्कूल प्रबंधन की ऐसी लापरवाही से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों व स्टाफ का जीवन खतरे में पड़ सकता है। यदि बच्चों को कुछ हो गया होता तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेता। विभाग के उच्चाधिकारियों को स्कूलों में सर्वे करके इस प्रकार के बदइंतजामों को दुरुस्त करवाना चाहिए।

# आपातकाल लगाकर घोंट दिया था भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला: सपरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर में आयोजित बैठक का भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके शुभारंभ करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश सपरा।

- भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की आयोजित हुई बैठक

भारतीय जनता पार्टी यमुनानगर के कार्यकर्ताओं की बैठक शनिवार को जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने की। इस दौरान बैठक में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किए जाने का स्वागत किया।

भा ज पा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा। जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला है।

### 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने का किया स्वागत

मौके पर भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है। जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा। ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए। भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग ने बताया कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। भारत देश की आज की वर्तमान जनरेशन को भी पता चलना चाहिए कि संविधान का असली हत्यारा कौन है और किसके कहने पर लाखों निर्दोष लोगों को बेवजह जेलों में बंद करके अमानवीय यातनाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि देश की जनता को पता चलना चाहिए की 25 जून 1975 को एमरजेंसी किसकी सरकार ने लगाई थी।

# पुलिस कैडेट ट्रेनिंग कैंप का हुआ समापन

## बच्चों को ट्रेनिंग कैंप में लिए गए प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित पुलिस कैडेट ट्रेनिंग कैंप के समापन पर प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र पाकर खुशी जताते हुए।

- विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियम की जानकारी के साथ साथ क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया गया

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधित नियमों व अन्य गतिविधियों की जानकारी देने के लिए चलाया जा रहा पुलिस कैडेट ट्रेनिंक कैंप का समापन हो गया। समापन अवसर पर बच्चों को ट्रेनिंग कैंप में लिए गए प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य अनूप कुमार चोपड़ा ने की।

ट्रेनिंग कैंप में उपपुलिस अधीक्षक महावीर सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आठवीं एवं नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियम,आपदा प्रबंधन, सामुदायिक पुलिस, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी के साथ साथ क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया गया। उप पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों जैसे धैर्य, टीम भावना, अनुशासन एवं बड़ो व बुजुर्गों के लिए आदरभाव रखना आदि सीखाने का प्रयास किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनूप कुमार चोपड़ा ने कहा कि पुलिस कैडेट ट्रेनिंग कैंप जहां बच्चों में अनुशासन व नैतिकता का विकास करता है। वहीं, इस प्रशिक्षण शिविर के प्रमाण पत्र का लाभ विद्यार्थी को भविष्य में लाइसेंस बनवाने ,बैंक खाता खुलवाने व नौकरी प्राप्त करने तथा उच्च शिक्षा में बैंक से ऋण आदि लेने में भी सहायक होता है। उन्होंने पुलिस विभाग व प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे पुलिस कैडेट ट्रेनिंक कैंप के आयोजन के लिए सराहना की। शिविर के समापन पर भाग लेने वाले 40 प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# सरकार कर्मियों के साथ कर रही वादाखिलाफी: मुंजाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

- ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की रादौर में आयोजित हुई बैठक

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन रजिस्टर नंबर 681(हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित) की शनिवार को रादौर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय सह सचिव एवं जिला प्रधान अनिल मुंजाल रादौर ने की।

जिला अध्यक्ष अनिल मुंजाल ने बताया कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों के साथ वायदा खिलाफी करके तीनों विभागों जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों के रोष को बढ़ाने का काम कर रही है। प्रांतीय संगठन द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार पूरे प्रदेश भर में जिला कार्यकर्ता सम्मेलनों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। सभी जिलों में जिला कार्यकर्ता सम्मेलनों को लेकर प्रदेश भर के कर्मचारियों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री डॉ. बनवारी लाल के बावल आवास का घेराव किया जाएगा। मौके पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की मुख्य मांगे पूरी करवाए जाने की गुहार लगाई जाएगी प्रदेश सरकार को प्रांतीय यूनियन के पदाधिकारियों को बातचीत के लिए बुलाकर कर्मचारियों की जायज मांगों व समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की मुख्य मांगे हैं कि पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाए, ट्रंम अपॉइंटमेंट, पंचायती राज, कौशल रोजगार निगम व जॉब वर्क पर लगे सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए। नियमित होने तक न्यूनतम वेतन 26 हजार रूपये दिया जाए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में 2018 में लगे नए डब्ल्यूपीओ व तृतीय श्रेणी के पद पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों को 35 हजार 400 रुपये वेतनमान दिया जाए। चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति होने पर कर्मचारी को एक इंक्रीमेंट का लाभ दिया जाए।

### 10 डंपरों से एक हजार लीटर डीजल चोरी

**यमुनानगर।** छछरौली क्षेत्र के खनन जोन में खड़े 10 डंपरों से एक हजार लीटर डीजल चोरी हो गया। गांव नलवी निवासी जोगिंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने खनन सामग्री ढोने के लिए डंपर लिए हुए हैं। रात को 10 बजे काम खत्म होने के बाद उसने डंपरों को खड़ा कर दिया था। सुबह जब वह काम पर लौटे तो देखा तो डंपरों से डीजल चोरी है। जांच करने पर 10 डंपरों से एक हजार लीटर डीजल चोरी मिला। जउसने आरोप लगाया कि विशाल, अंकित, शोएब, जावेद, गोलू व कालू ने डीजल चोरी किया है। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

# कहानियों के माध्यम से शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा के विभिन्न पहलुओं से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में आयोजित अंग्रेजी भाषा विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक।

- न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी भाषा कार्यशाला का हुआ आयोजन

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल चांदपुर(यमुनानगर) में अंग्रेजी भाषा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में मुख्य वक्ता के रुप में प्र सि द्ध ले खि का एवं मास्टर स्टोरीटेलर पाठ्यक्रम डिजाइनर कथाशाला की संस्थापक सिमी श्रीवास्तवा ने भाग लिया। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप में चारू ढींगरा व गौरव ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसीपल डॉ. बिंदु शर्मा ने की।

मुख्य वक्ता सिमी श्रीवास्तव ने अपनी अनोखी शैली में कहानियों के माध्यम से शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। वहीं, चारु ढींगरा ने बुकमेट पब्लिकेशन की तरफ से शिक्षकों को नई और रोचक शैक्षणिक सामग्री प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष जीएस शर्मा ने मुख्य वक्ता सिमी श्रीवास्तव और चारु ढींगरा का कार्यशाला में पहुंचने पर आभार प्रक्ट किया। स्कूल की प्रिंसीपल डॉ. बिंदु शर्मा ने कार्यशाला में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया।

### पुलिस ने पशु तस्करों से मुक्त करवाए 19 मवेशी

**यमुनानगर।** कलानौर हाईवे से मवेशियों को टाटा अल्ट्रा टी सेवन में भरकर वध के लिए यूपी लेकर जा रहे पशु तस्करों से 19 मवेशियों को मुक्त करवाया। पुलिस ने मौके से दो आरोपी पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कलानौर चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल रविंद्र ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कलानौर हाईवे से पशु तस्कर मवेशियों को टाटा अल्ट्रा टी सेवन में भरकर वध के लिए यूपी लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही उन्होंने हाईवे पर नाका लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद उन्हें एक वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब वाहन को रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसमें 12 भैंसे व सात कटड़े ठूंस ठूंस कर भरे हुए थे।

## धर्मकर्म

### सावन माह में शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करने का विशेष महत्व

# सुख समृद्धि की कामना के लिए सावन माह है सर्वश्रेष्ठ: पांडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

श्री विश्वकर्मा मंदिर रादौर में सावन माह के आगमन को लेकर कार्यक्रम का आ यो ज न किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के महंत अवध बिहारी पांडे ने श्रद्धालुओं को सावन माह के महत्व से अवगत करवाया।

- शिव एक जगह स्थित रहकर सृष्टि का संघार व पालन करते हैं

मंदिर के महंत अवध बिहारी पांडे ने कहा कि भगवान शिव को श्रावण माह अति प्रिय है। जिसमें भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि शिव की स्तुति से दुखों का नाश होता है। सावन माह में शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करने का विशेष महत्व है। अध्यात्म सिद्धि से लेकर जीवन में सुख समृद्धि की कामना के लिए इस माह में विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। हजारों वर्ष पहले क्षीर मंथन के दौरान अमृत का घड़ा मिला तो राक्षसों ने देवताओं से छीन लिया और मोहिनी रूप धारण कर भगवान विष्णु ने राक्षसों से इस घड़े को अपने हाथ में लिया। उन्होंने कहा कि देवताओं और राक्षसों को अलग अलग कतार में बैठाकर अमृत देवताओं को पिला दिया।

यमुनानगर के रादौर स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर के महंत अवध बिहारी पांडे सावन माह के महत्व की जानकारी देते हुए।

समुन्द्र मथन से जहर का घड़ा मिला तो भगवान शंकर के अतिरिक्त किसी ने उसे पीने का साहस नहीं दिखाया। भगवान शंकर ने विष तो पिया ही लेकिन वह गले से नीचे नहीं उतरने दिया। वह कंठ में ही रुक गया। जिस कारण उनका कंठ नीला पड़ गया। जिससे उन्हें नीलकंठ के नाम से पुकारा जाता है।

### शरीर धारी शंकर तीनों लोक में विचरण करने वाले

महंत ने फरमाया कि सावन मास में शिवलिंग पर गंगाजल से अभिषेक किया जाता है। अभिषेक का इतना महत्व है कि विष की शक्ति भी क्षीण हो गई। भगवान शिव को तभी से जल अर्पित किया जाने लगा। श्रद्धा के महा सावन के प्रत्येक व्यक्ति को शिवलिंग पर श्रद्धापूर्वक जल अर्पित करना चाहिए। शिव अंडाकार ज्योति स्वरूप है। दोनों रूपों में पूजा होती है। शरीर धारी शंकर तीनों लोक में विचरण करने वाले हैं। शिव एक जगह स्थित रहकर सृष्टि का संघार व पालन करते हैं।

# मांगों को लेकर एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर के रादौर में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते बिजली निगम के कर्मचारी।

सब यूनिट बिजली कर्मचारी यूनियन रादौर के सदस्यों ने कर्मचारियों की मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम निगम के एसडीओ को ज्ञापन सौंपा।

यूनियन के सर्कल सचिव विक्रम सिंह के नेतृत्व में बिजली कर्मचारी रादौर के एसडीओ कार्यालय में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मांगो से संबंधित ज्ञापन हरियाणा के मुख्यमंत्री व बिजली निगम के उच्चाधिकारियों के नाम एसडीओ को सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में कहा है कि पिछले लंबे समय से उनकी मांगे लंबित पड़ी हैं। मगर सरकार द्वारा उनकी मांगे पूरी नहीं की जा रही है। यूनियन के सर्कल सचिव विक्रम सिंह, कमल शर्मा व विकास सैनी आदि ने बताया कि सरकार द्वारा उनकी मांगें मानने में आनाकानी की जा रही है। कर्मचारी नेताओं ने सरकार से उनकी सभी लंबित मांगे जल्द पूरी किए जाने की मांग की। इस अवसर पर सतपाल, बलवान सिंह, चिंटू कांबोज बकाना, विनय कांबोज, निक्कू चौहान, दीपक, पकंज राणा आदि मौजूद रहे।

## खबर संक्षेप

### ई रिक्शा वालों पर शिकंजा कसा जाए

**थानेसर।** कुरुक्षेत्र व्यापार मंडल प्रधान फतेहचंद गांधी ने कहा ई-रिक्शा वाले सड़क पर खड़ा करने के लिए अपनी मनमानी करते हैं और कई बार जाम लग जाता है रेलवे स्टेशन के गेट के बाहर ई रिक्शा और ऑटो वाले काफी संख्या में खड़े रहते हैं जिसके कारण जाम लग जाता है। फतेहचंद गांधी ने पुलीस अधीक्षक से मांग की कि ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा पर शिकंजा कसा जाए।

### डॉ. तानिया को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान

**कुरुक्षेत्र।** ग्लोकल विश्व विद्यालय सहारनपुर में आज होने वाले अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले 200 से अधिक शिक्षाओं का चयन किया गया है। इसमें चंडीगढ़ विश्व विद्यालय मोहाली से डॉ. तानिया वाधवा जोकि फिजियोथेरेपी विभाग में सहायक प्रोफेसर की सेवाएं निभा रही हैं उनका चयन किया गया है। कुरुक्षेत्र में मुख्य रूप से पली बढ़ी डॉ. तानिया वाधवा अपने पिता पृथ्वी राज वाधवा और माता कंचन को अपना आदर्श मानती हैं।

### परीक्षा की तैयारी करने के तरीके बताए

**कुरुक्षेत्र।** श्रीकृष्ण राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय कुरुक्षेत्र के पुर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वेब सेमिनार हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा विज्ञापित आयुर्वेद चिकिसाधिकारियों की भर्ती की प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए आयोजित किए गए वेब सेमिनार का समापन हो गया। सभी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से परीक्षा की तैयारी करने के तरीके, परीक्षा के स्वरूप एवम अन्य अनेकानेक विषयों पर सार्थक संवाद किया।

### कर्मचारियों की समस्याओं पर किया विचार विमर्श

**कुरुक्षेत्र।** होस्टल मैस वर्कर यूनियन की आम सभा की बैठक यूनियन के प्रधान सुभाष पारचा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन यूनियन के महासचिव कृष्ण चन्द सैनी ने किया। बैठक में मैस कर्मचारियों की समस्यायों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मैस कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रधान सुभाष पारचा ने कहा कि गर्ल होस्टल में 89दिन नाम पर परेशान किया जा रहा है। जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन की डीएसडब्ल्यू चीफ वार्डन मैडम और पुरुष चीफ वार्डन के बीच में समझौता हुआ था।

### महासप्तमी पर भद्रकाली शक्तिपीठ में उमड़ी भीड़

**कुरुक्षेत्र।** धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में विराजमान माँ भद्रकाली शक्तिपीठ में 6 जुलाई से आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रे धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने बताया कि श्रीमद् देवीभागवत के अनुसार वर्ष में दो बार गुप्त नवरात्रे भी माघ और आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में प्रारंभ होते हैं। सभी भक्त आदिशक्ति माँ सरस्वती देवी, माँ लक्ष्मी व दशमहाविद्याओं में प्रथम माँ काली जी का ध्यान-मनन पूजन-अर्चन कर अपनी आध्यात्मिक शक्तियों को जागृत करते हैं।

### प्रभातफेरी का पुष्प वर्षा से किया स्वागत

**पिहोवा।** महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज की प्रेरणा से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में हर वर्ष होने वाली प्रभातफेरियों की श्रृंखला में गौसेवा को समर्पित शनिवार की प्रभातफेरी बंटी वर्मा के सौजन्य से कुरुक्षेत्र रोड पर आयोजित की गई। गणेश वंदना से प्रभात फेरी का शुभारंभ हुआ। जगदीश तनेजा, सागर कश्यप, राजिंदर शर्मा ने अपने भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। जगदीश सैनी, सोनू कश्यप ने वर्मा परिवार को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

### सेक्टर 13 व 7 में बरसाती पानी के निकासी के होंगे प्रबंध

# विकास कार्यों के लिए सरकार ने दी 26 करोड़ के बजट की मंजूरी : सुधा

15 प्रमुख सडकों का निर्माण कार्य करने के लिए करीब 17 करोड़ रुपए का बजट होगा खर्च

कुरुक्षेत्र। राज्य मंत्री सुभाष सुधा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर शहर के 160 विकास कार्यों को पूरा करने के लिए प्रदेश करीब 26 करोड़ रुपए की राशि के बजट की मंजूरी दे दी है। इस बजट में से 20 करोड़ रुपए की राशि नगर परिषद को जारी कर दी है। अहम पहलू यह है कि इन विकास कार्यों में सेक्टर 13 और 7 में बरसाती पानी की निकासी की परियोजना को पूरा किया जाएगा। इस परियोजना से हजारों लोगों को बरसाती पानी के निकासी से राहत मिलेगी। राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के समक्ष थानेसर हलका के विकास के लिए जितने भी छोटी और बड़ी परियोजनाएं रखी गई है, उन सभी परियोजनाओं को प्रदेश सरकार की तरफ से अनुमति प्रदान कर दी गई है और जो प्रस्ताव सरकार के पास अभी लंबित है। उन प्रस्तावित विकास कार्यों पर भी प्रदेश सरकार जल्द मोहर लगा देगी। इस शहर में पिछले कई दिनों से विकास कार्यों पर फोकस रखकर कार्य किया जा रहा है और इस शहर की प्रत्येक गली और मुख्य सडक को चकाचक बनाने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अभी हाल में ही शहर की गलियों, नालियों, सीवरेज व्यवस्था, पानी की निकासी, बड़ी सडकों के निर्माण सहित अन्य प्रकार के 160 से भी ज्यादा विकास कार्यों को पूरा करने की अनुमति प्रदान की है। राज्यमंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों के लिए प्रदेश सरकार ने 26 करोड़ रुपए बजट की मंजूरी दी है और इसमें से 20 करोड़ रुपए की राशि तुरंत विकास कार्यों को पूरा करने के लिए जारी कर दी है। इस बजट में से शेष बची 6 करोड़ रुपए की राशि प्रदेश सरकार की तरफ से जल्द जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पावर ग्रीड चौक से लेकर आयुर्वेदिक चौक तक सडक को डबल किया जाएगा। यह सडक लोटस ग्रीन सिटी सेक्टर 9 के आगे से बनाई जाएगी। इससे रोजाना होने वाली सडक दुर्घटनाओं और जाम जैसी समस्या से भी निजात मिलेगी। इस सडक के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। इतना ही नहीं सरकार ने आयुर्वेदिक चौके से लेकर सर्किट हाउस चौक तक सडक को डबल करने की परियोजना को मंजूरी दी है। इस सडक के निर्माण के लिए 60 लाख का बजट मंजूर किया है।

#### 17 करोड़ रुपए के बजट से बनाई जाएगी शहर की 15 प्रमुख सडकें

राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि शहर की 15 प्रमुख सडकों का निर्माण कार्य करने के लिए करीब 17 करोड़ रुपए का बजट खर्च होगा। इन 15 सडकों की प्रशासनिक अनुमति लेने के लिए एक प्रस्ताव सरकार के पास भेजा है। इन सडकों पर सरकार की मोहर लगते ही नगर परिषद की तरफ से आगामी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सडकों में पिपली रोड रेड लाईस से जेआईसी चौक वाया द्रोणाचार्य स्टेडियम और डीसी कैम्प आफिस, सेक्टर 2 और 5 की डिवाईडिंग रोड, जिंदल चौके से पिपली रोड वाया पूजा मॉडल स्कूल, सेक्टर 4 व 5 की डिवाईडिंग रोड, भगवान परशुराम कॉलेज से सेक्टर 2 और 5 डिवाईडिंग रोड,भगवान परशुराम कॉलेज सेक्टर 5 व 7 डिवाईडिंग रोड, सेक्टर 4 और 5 डिवाईडिंग रोड, पिपली रोड से ज्ञानदीप प्राईमरी स्कूल सेक्टर 7, जिम खाना कल्ब से विजिडम वर्ल्ड स्कूल सेक्टर 8, रेड क्रॉस भवन से मकान नम्बर 774 पी व 417 पी से टेलिफोन एक्सचेंज तक, मकान नम्बर 622 से 591 सेक्टर 4, सेक्टर 3 व 4 डिवाईडूषडंग रोड, सम्राट भवन से सेक्टर 3 व 4 डिवाईडिंग रोड तक सडक शामिल है।

## युवाओं को प्रशिक्षित कर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएंगे : जिन्दल

कुरुक्षेत्र। कोर्स बारे चर्चा करते सांसद नवीन जिंदल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के युवाओं के रोजगार को लेकर बेहद गंभीर है। इस सिलसिले में वो अपने क्षेत्र में स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ देश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में जाकर चलाए जाने वाले रोजगारपरक कोर्सों पर मंथन कर रहे हैं। अपने इस अभियान के तहत सांसद नवीन जिन्दल कुरुक्षेत्र के उमरी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में पहुंचे और वहां पहुंचकर चलाए जाने वाले सभी कोर्सों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इस मौके पर सांसद में कहा कि इस संस्थान में चलाए जाने वाले कोर्स युवाओं के लिए रोजगार के नए-नए द्वार खोल रहे हैं। युवाओं को डिजाइनिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। हम युवाओं को इस संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के निराकरण के लिए हमेशा तैयार हैं।

### ऑक्सीजन की कमी, पौधों की कमी का मुख्य कारणः रामकरण

**कुरुक्षेत्र।** शनिवार को बेगमपुर मानव सेवा ट्रस्ट रजि. व बीटीएफ हरियाणा टीम द्वारा पूर्व जिला शिक्षक खंड अधिकारी रामकरण के मार्गदर्शन मे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर चौक कुरूक्षेत्र के पास करीब 500 पौधे वितरित किए। प्रिंसिपल रामकरण ने राहगीरों को पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि कोरोना काल के समय में ऑक्सीजन की कमी का कारण भी पौधे ना लगाना था। बेगमपुरा मानव सेवा ट्रस्ट रजि.के प्रधान धर्म सिंह क्रांति ने बताया कि इस समय मे हर व्यक्ति को एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। बेगमपुरा टाइगर फोर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सुनेहड़ी ने बताया कि पर्यावरण उस परिवेश को दर्शाता है, संजीवों को सभी तरफ से घेरे रखता है। इसके प्रमुख घटक वायुमंडल, जल मंडल,स्थल मंडल और जीव मंडल से बना होता है।

## गणित विज्ञान मेले का किया आयोजन

- मेले का आयोजन गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में किया गया
- किशोरवर्ग में कुल 250 छात्रों ने प्रतिभाग किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आधुनिक युग वैज्ञानिक क्षेत्र में भारत के बढ़ते वर्चस्व का युग है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत के युवाओं की प्रतिभा के कारण भारत आज पुनः विश्वगुरु होने की ओर अग्रसर है। विद्या भारती के तत्वाधान में विद्यालय स्तरीय गणित-विज्ञान मेले का आयोजन गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में किया गया। इस मेले का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाना और उन्हें नई तकनीक और आविष्कारों से परिचित कराना था। इस मेले में छात्रों ने गणित, विज्ञान ,संगणक प्रदर्श एवं प्रयोग में प्रतिभागिता करते हुए अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिचय दिया। छात्रों ने नैनो प्रौद्योगिकी, गति- समय, पर्यावरण संरक्षण,जल संग्रह,फाइबर- कपड़े, छत पर खेती, शंकु, त्रिकोणमिति, क्षेत्र एवं आयतन, नेटवर्किंग जैसे कई अन्य विषयों से संबंधित विज्ञान, गणित और कंप्यूटर में अपनी रचनात्मक वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस मेले में कक्षा छठी से बारहवीं तक के बाल वर्ग, किशोरवर्ग एवं तरुणवर्ग में कुल 250 छात्रों ने प्रतिभाग किया। ध्यातव्य है कि विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी ही संकुल स्तर पर प्रतिभागी होंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य नारायण सिंह ने कहा कि आज का विद्यार्थी कल के भारत का भविष्य हैं इसलिए निरंतर कुछ ना कुछ कल्पना विद्यार्थी के मन मस्तिष्क में रहनी चाहिए क्योंकि कल्पना शक्ति के बिना इस दुनिया में कुछ भी नहीं है, संसार में जितने भी अविष्कार हुए वो सब कल्पना शक्ति के बिना संभव नहीं थे।

### जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर रथ यात्रा 15 को

**कुरुक्षेत्र।** विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा का उत्सव जारी है, पूरा देश इन दिनों भगवान जगन्नाथ की आराधना कर रहा है। इसी अवसर पर कुरुक्षेत्र में भी हर वर्ष की भांति इस्कॉन के द्वारा जगन्नाथ रथ यात्रा का अयोजन किया जा रहा है। 15 जुलाई, सोमवार के दिन दोपहर में भगवान जगन्नाथ की महाआरती के साथ पुरा उत्सव श्रीकृष्ण अर्जुन मंदिर में प्रारंभ होगा। तत्पश्चात सभी भक्तों के लिए प्रीतिभोग की व्यवस्था रहेगी। सांय 5 बजे, ब्रह्म सरोवर के निकट भगवान जगन्नाथ रथ पर विराजमान होकर यात्रा प्रारम्भ करेंगे। यह यात्रा बिरला मंदिर, गुरुद्वारा चौक, रेलवे रोड़, पीपली रोड़ होते हुए सेक्टर 13 के कांग्रेस भवन में समाप्त होगी। कुरुक्षेत्र, पुरी और वृंदावन का एक बहुत प्राचीन संबंध है। शास्त्रों में कहा गया है कि भगवान का रथ पर दर्शन करने मात्र से कोटि जन्मों के पाप नष्ट हो जाते है, और यही कृपा देने के लिए भगवान रथ पर बैठकर सड़को पर दर्शन देते है।

## मुख्यमंत्री ने विधायक संदीप की माता के निधन पर जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पूर्व मंत्री एवं विधायक संदीप सिंह की माता दलजीत कौर के निधन पर शोक व्यक्त किया है और परिवार के सदस्यों के साथ दुख साझा किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह शनिवार को पूर्व मंत्री एवं विधायक संदीप सिंह के शाहबाद निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने समाजसेवी गुरचरण सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक संदीप सिंह, लेफ्टिनेंट बक्रिमजीत सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दुख साझा किया और परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना भी की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने स्वर्गीय दलजीत कौर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे गहरी वेदना हुई है। परिवार के किसी सदस्य का निधन उस परिवार के जीवन में ऐसी शून्यता लाता है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इस परिवार पर जो दुख की घड़ी इस समय आई है परमात्मा इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। परम पिता परमात्मा इस दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिवार के लोगों को दुःख सहन करने की शक्ति दे।

कुरुक्षेत्र। सम्मेलन में ऑल इंडिया अम्बेडकर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर के साथ कांग्रेस नेत्री रीना वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

### संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन

**कुरुक्षेत्र।** प्रदेश के अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के जमीन स्तर पर कार्य कर रहे बड़े जन संगठनों के आह्वान पर, संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमे काफी संख्या मे प्रदेश के बड़े नेता पहुंचे। ऑल इंडिया अम्बेडकर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर ने बताया कि इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया थे। लगातार चार घंटे चली इस मैराथन बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उल्लेखनीय है इससे पूर्व पहले ऐसे बड़े सम्मेलन लखनऊ और पंचकुला में आयोजित किए जा चुके है जिसमे खुद राहुल गांधी भी मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे थे। बहादुर ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को जो संविधान में आस्था रखता है उसे बहुत ही चौकन्ना रहना पड़ेगा। सम्मेलन मे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की परिशिक्षण विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन राव, सुभाषिनी शरद यादव, डॉ. पवन जय हिन्द, अशोक भारती, रीना वाल्मीकि, डॉ. प्रदीप, सुनील सरदार, रजत कलसन, सुभाष सैनी, जुबेर खान, सुरेश टांक और वकील अहमद जैसे नेता उपस्थित रहे।

## सियासी हवा तानाशाही का अंत कर नए समीकरण बनाएगी : डीडी शर्मा

- नई सब्जी मंडी आढ़ती व्यापारियों, आढ़तियों, मजदूरों ने डीडी शर्मा को फलों में तोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व प्रत्याशी पंडित जय भगवान शर्मा डीडी ने कहा कि आज थानेसर का व्यापारी, कर्मचारी, मजदुर, गरीब आदमी और किसान उनके समर्थन में खुलकर आ रहा है जो स्पष्ट संकेत है कि यहां अब सियासी हवा तानाशाही, भ्रष्टाचार और जातिवाद का अंत कर नए समीकरण बनाएगी। डीडी शर्मा का गांव कसेरला में छत्तीस बिरादरी ने भव्य अभिनंदन किया विशेष तौर पर ओबीसी समुदाय के गणमान्य लोगों जिमिदारों किसानों ने डीडी शर्मा को पगड़ी पहनाई। कसेरला में आयोजित जन जागरण सभा में छत्तीस बिरादरी के ग्रामीणों का भारी जन समूह उमड़ा जिसने हाथ उठाकर जय भगवान शर्मा डीडी का समर्थन किया। थानेसर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी की टिकट पार दावा जता रहे पंडित जय भगवान शर्मा डीडी की जन आशीर्वाद यात्रा निर्माण थानेसर, प्रणाम थानेसर के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में हर वर्ग का उन्हे सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है।

#### ये रहे मौजूद

इस दौरान जगदीश चंद्र अमीन, सुरेंद्र कुमार सोनू, अशोक कुमार, दीपक वर्मा, अजय, देवेंद्र, सोनू, ज्ञान सिंह, राजवीर, कृष्ण लाल, मायाराम शर्मा और जितेंद्र आढ़ती समेत सैंकड़ों लॉग मोजूद रहे।

## न्यूज डायरी

### सेवा ट्रस्ट यू.के. इंडिया का पौधरोपण अभियान जारी

**कुरुक्षेत्र।** सेवा ट्रस्ट यू.के. इंडिया का बच्चों को पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण प्रति जागरूक करने का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में ज्ञान ज्योति सीनियर सैकंडरी विद्यालय में सेवा ट्रस्ट यू.के. इंडिया व जिला परिषद कुरुक्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से हरित भारत, हरित धरा अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्षा कंवलजीत कौर रही। कार्यक्रम का संचालन जसबीर राणा व जिला परिषद सदस्य रमेश पाल ने संयुक्त रूप से किया उन्होंने सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पौधरोपण करने के साथ ही 4 सौ से अधिक बच्चों को पौधे वितरित किए गए। साथ ही मौजूद बच्चों और ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगवाने का आह्वान किया। जिला परिषद अध्यक्ष कंवलजीत ने कहा कि हमारी प्रकृति ने हमें वो समस्त संसाधन तथा सुविधाएं प्रदान की हैं जो सुखी जीवन के लिए आवश्यक होती हैं।

### अग्रवाल वैश्य समाज ने नवीन जिंदल को किया आमन्त्रित

**कुरुक्षेत्र।** अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला एवं महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना (मैसी) के प्रधान मुनीष मित्तल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल से मिला। जानकारी देते हुए अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने नवीन जिंदल को तीसरी बार कुरुक्षेत्र का सांसद बनने, उनकी लोकप्रियता एवं जीत के लिए बधाई दी। प्रधान मुनीष मित्तल ने बताया कि मैसी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजना के 31 वें छात्रवृति कार्यक्रम के लिए कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल को आमंत्रित किया गया है। महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना का 31 वां छात्रवृति वितरण कार्यक्रम 28 जुलाई को किया जा रहा है। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल में महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के प्रधान मुनीष मित्तल के साथ महासचिव संजीव गर्ग, मुख्य व्यवस्थापक एवं अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स होल्डर डा. अशोक गर्ग, कपिल मित्तल, अशोक गर्ग, अजय गुप्ता, सुरेन्द्र नागवान, पूर्व प्रधान विनय गुप्ता, जंग बहादुर सिंगला, सौरभ चौधरी, अंशुल बंसल, योगेश गर्ग, मुकेश मित्तल इत्यादि भी मौजूद रहे।

### कर्मचारी मंच की जिला कमेटी की बैठक हुई संपन्न

# कर्मचारी उपायुक्त कार्यालय पर करेंगे प्रदर्शन

- बैठक जिला प्रधान अशोक यादव की अध्यक्षता में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा गवर्नमेंट पी.डब्ल्यू.डी. मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर 41 मुख्यालय चरखी दादरी कैंप कार्यालय करनाल संबंधित हरियाणा संबंधित कर्मचारी मंच की जिला कमेटी की अति आवश्यक बैठक जिला प्रधान अशोक यादव की अध्यक्षता में यूनियन कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव राम रतन शर्मा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कुलवंत शर्मा ने बताया कि प्रदेश कमेटी के आवाहन पर हरियाणा सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदेश भर में उपायुक्त कार्यालयों पर प्रदर्शन किए जाएंगे। कर्मचारियों की मांगों का मांग पत्र उपायुक्तों के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार को भेजा जाएगा। इस कड़ी में 22 जुलाई को जिला कुरुक्षेत्र के कर्मचारी उपायुक्त कार्यालय कुरुक्षेत्र पर प्रदर्शन करेंगे। कुलवंत शर्मा ने कहा कि कर्मचारी सरकार से मांग करते हैं कि कर्मचारियों की मांगों को बातचीत द्वारा हल करें। बैठक में राज्य चेयरमैन सत्यपाल वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा सरकार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में 18 वर्ष से कार्यरत एम.पी.डब्ल्यू. कर्मियों को रेगुलर किया जाए।

#### ये रहे मौजूद

बैठक में राज्य प्रधान तेजपाल गुर्जर, अभय राम, बलबीर सैनी, जिला संगठन सचिव जनस्वास्थ्य विभाग से चेयरमैन राजेश सैनी, ब्रांच सचिव कुलदीप सैनी, उप प्रधान गुरनाम कश्यप, सतीश कुमार, रणवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष बलबीर बंसी , बी.एंड.आर. विभाग से रमेश कुमार प्रधान लाड़वा, जरनैल सिंह प्रधान पेहवा, रामकुमार, सतनाम सिंह, मेहर सिंह सिंचाई विभाग से जयपाल मुंडे, रमेश कुमार आदि ने भी अपने विचार रखे।

### पिहोवा में खुलेगा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंजाबी प्रकोष्ठ का प्रादेशिक कार्यालय

**पिहोवा।** हरियाणा सरकार ने जन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए अपने प्रतिनिधियों को लोगों के अधिकाधिक संपर्क में लाने का उपक्रम शुरू किया है। इस उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने प्रदेश स्तर का पहला सरकारी कार्यालय पिहोवा में खोलने की पहल की है। नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार ने सरदार हरपाल सिंह निर्देशक हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (पंजाबी प्रकोष्ठ) को अपने विभाग से संबंधित सरकारी कार्यालय पिहोवा में स्थापित करने की अनुमति दे दी है। अब पिहोवा के लोगों को अपने सरकारी कामकाज के लिए चंडीगढ़ जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल का स्वागत करते हुए हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (पंजाबी प्रकोष्ठ) के निदेशक एवं शुगरफैड हरियाणा के पूर्व चेयरमैन सरदार हरपाल सिंह ने कहा है कि पिहोवा में स्थाई कार्यालय की स्थापना होने से वे लोगों की समस्याओं की ओर पूरा ध्यान दे सकेंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के कारण राज्य के लोगों को उनके साथ संपर्क करने में सुविधा रहेगी जिससे उनके समय और संसाधनों की बचत होगी।

## खबर संक्षेप

### चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

**अंबाला।** थाना मुलाना क्षेत्र से चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी मोहित कुमार को गिरफ्तार किया है। शेरपुर के चनन सिंह ने 12 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11 जुलाई 2024 को गांव शेरपुर से आरोपी मोहित कुमार ने उसके घर से पानी की मोटर चोरी कर ली है।

### मारपीट के मामले में आरोपी शामिल जांच

**अंबाला।** थाना अंबाला शहर में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी गुनदीप सिंह को शामिल जांच किया है। कैथ माजरी के भूपेंद्र सिंह ने 4 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी गुनदीप सिंह व अन्य ने उससे मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।

### मौत के मामले में आरोपी शामिल जांच

**अंबाला।** थाना मुलाना में दर्ज सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी गुरसेवक सिंह को शामिल जांच किया है। सिरसगढ़ के राजबीर सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 16 अप्रैल 2024 को रकबा दोसडका के पास आरोपी वाहन चालक ने लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाते हुए उसके पुत्र अनिल कुमार को टक्कर मार दी थी। हादसे में उसके बेटे की मौत हो गई थी।

### 20 भारी वाहनों के चालान किए

**अंबाला।** ट्रैफिक नियमों की पालना न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस निरंतर कार्रवाई कर रही है। शनिवार को पुलिस ने ऐसे 20 भारी वाहनों के चालान किए जोकि निर्धारित लेन की बजाय प्रतिबंधित लेन में वाहन चला रहे थे। पिछले कई महीने से पुलिस ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चला रही है। अब तक लगभग 34,064 भारी वाहनों के चालान किए जा चुके हैं।

### विवाहता रात को ससुराल से फरार

**अंबाला।** 19 वर्षीय विवाहिता रात को ससुराल से फरार हो गई। सुबह बहू घर से गायब मिली तो ससुराल वाले हैरान रह गए। उन्होंने अपनी रिश्तेदारी में भी बहू के बारे में पूछा, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। सास ने पुलिस थाने पहुंच बहू के घर से फरार होने की रिपोर्ट की। पर पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

### प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष जैन बोले राज्य सरकार की खुल गई पोल

# शंभू बॉर्डर खोलने को लेकर सरकार ने व्यापारियों-किसानों से किया विश्वासघात

शंभू बॉर्डर खोलने की बजाय सुप्रीमकोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस ने किया बड़ा हमला, कहा व्यापारियों व किसानों को लेकर सरकार की नीयत में खोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। व्यापारियों से ज्ञापन पर हस्ताक्षर करवाते हुए कांग्रेसी नेता।

शंभू बॉर्डर खोले जाने के खिलाफ राज्य सरकार के सुप्रीमकोर्ट में जाने पर कांग्रेस ने इसे व्यापारियों व किसानों के साथ विश्वासघात करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने इस मामले में राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि शंभू बॉर्डर खुलवाने को लेकर आए फैसले को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती दिए जाने से भाजपा सरकार एक्सपोज हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब छह महीने में सरकार ने कभी शंभू बॉर्डर को खोलने की कसरत ही नहीं की। सरकार को न तो किसानों की आवाज सुनाई दी न ही बर्बाद होते व्यापारियों का दर्द उसके कानों तक गया। शंभू बॉर्डर बंद होने से धक्के खा रहे राहगीरों की मुश्किलें भी कभी सरकार को नहीं दिखी। जैन ने कहा कि जिस तरह राज्य सरकार बॉर्डर खोलने के लिए खिलाफ सुप्रीमकोर्ट पहुंची है उससे साफ जाहिर है कि भाजपा सरकार शंभू बॉर्डर खोलने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि छह महीने से बॉर्डर पर बैठकर किसान शांति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। वे अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाना चाहते हैं लेकिन हरियाणा सरकार ने केंद्र सरकार के इशारे पर उनके रास्ते में भारी भरकम बैरिकेड लगा दिए। किसानों के पांवों को छलनी करने के लिए नुकीलें कीलों के जाल बिछा दिए। उन्होंने कहा कि किसानों ने कभी शंभू बॉर्डर बंद नहीं किया। हरियाणा सरकार ने ही केंद्र के इशारे पर बॉर्डर को सील किया हुआ है। जैन ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को 7 दिन में हाइवे खोलने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने तो पहले ही आशंका जताई थी कि राज्य सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीमकोर्ट जाएगी। अब यह आशंका भी सच साबित हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से अब शंभू बॉर्डर बंद होने से प्रभावित व्यापारियों के साथ आम जनता व किसानों का हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा जाएगा।

#### होलसेल कपड़ा मार्केट बंद होने के कगार पर

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जैन ने कहा कि अंबाला की होलसेल कपड़ा मार्केट पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां करीब 3 हजार से ज्यादा दुकानें हैं। हर साल हरियाणा पंजाब के बीच कपड़े का करोड़ों का कारोबार होता है। उन्होंने बताया कि शंभू बॉर्डर बंद होने से अब यह मार्केट बंद की कगार पर है। इनके सामने व्यापार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। अगर बार्डर न खुला तो अंबाला शहर की होलसेल कपड़ा मार्केट पर ताला लग जाएगा। तमाम कारोबारी बर्बाद हो जाएंगे। साथ में दस हजार से ज्यादा कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे।

#### सरकार के खिलाफ शुरू किया अभियान

शंभू बॉर्डर तत्काल खुलवाने के लिए इस मुहिम में व्यापारियों को जोड़ने के लिए कांग्रेसी नेता रोहित जैन की अगुवाई में हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया। जैन ने कहा कि इस अभियान में आम जनता के साथ व्यापारियों व दुकानदारों भी शामिल किया जाएगा। जैन ने कहा कि भाजपा की राज्य में बेशर्म सरकार है जोकि जानबूझकर व्यापारियों को बबार्द करने पर तुली है। यह सरकार पहले ही किसान विरोधी साबित हो चुकी है।

अंबाला। सरकार की नीतियों की लोगों को जानकारी देते कलाकार।

## राज्य सरकार की उपलब्धियों का किया जा रहा है प्रचार

- सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग की ओर से चलाया जा रहा है अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के महानिदेशक मनदीप बराड़ के निर्देशानुसार जिला के साथ-साथ प्रदेश में 31 जुलाई तक विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में प्रदेश सरकार की साढ़े 9 सालों की उपलब्धियों, नीतियों, योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके लिए विभागीय नियमित, अनुबंधित और सूचीबद्ध पार्टियां गांव-गांव में पहुंचकर लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दे रही है। जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि गीतों व भजनों के माध्यम से कलाकारों द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, अटल मजदूर कैंटीन, बेटियों के हित में चलाई जा रही सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, कन्यादान योजना, आपकी बेटी हमारी बेटी योजना, अंत्योदय अन्न योजना, जन औषधि केंद्र, आयुष्मान कार्ड, हैप्पी कार्ड जैसी करइं योजनाओं के बारे जानकारी दी जा रही है। इसके साथ-साथ विभिन्न पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवाओं का घर बैठे मिल रहा लाभ के बारे में भी आमजन को जानकारी दी जा रही है। आमजन द्वारा विशेष प्रचार के माध्यम से कलाकारों द्वारा सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं बारे गीतों व भजनों के माध्यम दी जा रही जानकारी की सराहना की। विभागीय भजन मंडली द्वारा अब तक मोखामाजरा, ललाना, जलालपुर, चुडियाला, चुडियाली, दुबली, खानपुर, धुराला व दिनारपुर गांवों में गीतों व भजनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यों के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी गई। इस विशेष प्रचार अभियान के दौरान जिला के सभी गांवों और शहरों के वार्डों को कवर किया जाएगा।

## जालंधर उपचुनाव में आप की जीत पर लड्डू बांटकर मनाया जश्न

- जीत के बाद प्रदेश में भी लाएंगे बदलाव : लौट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। पार्टी की जीत पर जश्न मनाते हुए कार्यकर्ता।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष करणवीर लौट ने शनिवार को अंबाला शहर विधानसभा के रोशनपुर गांव में बदलाव जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को जालंधर उपचुनाव में लड्डू बांटकर आम आदमी पार्टी की जीत का जश्न मनाया। वहीं उन्होंने कहा कि जालंधर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत से बदलाव का रास्ता तय हो गया है और अगले बदलाव की शुरुआत अंबाला से होगी। उन्होंने कहा हरियाणा की बीजेपी सरकार पिछले दस साल से ही किसानों के विरोध में काम कर रही है। हाइकोर्ट के बॉर्डर खोलने के निर्णय के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जाकर ये दिखा दिया कि बीजेपी न तो व्यापारियों का हित चाहती है और न ही किसानों के हित में काम करना चाहती है। उनके साथ कुलदीप कुमार, दारा सिंह, बलकार सिंह, बलबीर सिंह, तिजेंद्र सिंह, सुखविंदर सिंह हैप्पी, रुल्दा खान समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

## रोहतक के सांसद बाजारों में निकालेंगे पदयात्रा

- 16 को अंबाला शहर के बस स्टैंड से शुरू होकर अंबिका मंदिर पर खत्म होगी यात्रा, कांग्रेसी नेताओं ने यात्रा को लेकर किया लोगों से संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा 16 को अंबाला शहर की होलसेल कपड़ा मार्केट में पैदल यात्रा करेंगे। कांग्रेस की ओर से यात्रा की तैयारियां हो चुकी हैं। पूर्व विधायक जसबीर मलौर , डिप्टी मेयर राजेश मेहता , हिम्मत सिंह व अमीषा चावला ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए गए हरियाणा मांगें हिसाब कार्यक्रम के तहत सांसद दीपेंद्र हुड्डा और सांसद वरूण चौधरी 16 को अंबाला शहर में शाम 4 बजे बस स्टैंड से लेकर विभिन्न बाजारों से होते हुए अंबिका मंदिर तक पदयात्रा करेंगें।

अंबाला। पदयात्रा को लेकर लोगों से संपर्क करते हुए कांग्रेसी नेता।

कांग्रेस की तरफ से प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ 15 सवालों की चार्जशीट जारी की गई है । इस चार्जशीट और कांग्रेस पार्टी की घोषणाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए हरियाणा मांगें हिसाब कार्यक्रम पूरे हरियाणा प्रदेश में चलाया जा रहा है । इसके जरिए ना सिर्फ भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर किया जाएगा , साथ ही साथ कांग्रेस पार्टी के मैनिफेस्टो के लिए जनता के सुझाव लिए जाएंगे। जनता सवाल पूछना चाहती है कि देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में क्यों है ? हरियाणा प्रदेश सबसे असुरक्षित प्रदेश क्यों है ? घर घर कैसे पहुँचा नशे और ड्रग्स का काला साम्राज्य? देश में सबसे ज्यादा महगांई हरियाणा में क्यों है ? भ्रष्टाचार के जनक व जनता के जी का जंजाल क्यों बने है जनविरोधी पोर्टल व आईडी ?भाजपा के 10 साल में हजारों करोड़ के 50 से ज्यादा बड़े घोटाले क्यों ? भाजपा काल क्यो बना किसानों का काल ? भाजपा ने दलितों और पिछड़ों की घोर उपेक्षा क्यों की ?अगिनवीर और कौशल रोजगार की वजह से सरकारी नौकरिया क्यों खत्म की ? हर वर्ग पर गोलियां और लाठिंया क्यों बरसाई? इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को शून्य पर क्यों ले आई भाजपा ? भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनाव की घोषणाओं को पूरा क्यों नहीं किया ? भाजपा ने स्वास्थ्य सेवाओं का दीवालिया क्यों पीटा ? भाजपा ने शिक्षा तन्त्र को क्यों बर्बाद किया ? भाजपा ने हरियाणा प्रदेश की सबसे विकसित अर्थव्यवस्था को क्यों बर्बाद किया ? इन सब सवालों को मद्देनजर रखते हुए सांसद हुड्डा और सांसद वरूण चौधरी कार्यक्रम का आगाज करेंगे।

## डॉमेस्टिक एयरपोर्ट से विमान सेवा जल्द शुरू करने के आदेश

- विज ने निर्माण को लेकर अधिकारियों से ली अपडेट
- अंबाला छावनी में चल रहे विकास कार्यों पर ही हुई चर्चा, अधिकारियों को दिए जरुरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। अधिकारियों से विकास कार्यों को लेकर विचार विमर्श करते पूर्व मंत्री अनिल विज

पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर अंबाला छावनी में विकास कार्यों को लेकर डीसी डॉ. शालीन व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में आरसीएस उड़ान योजना के तहत विमान सेवा जल्द प्रारंभ हो। जिसका शहर वासियों को लाभ मिले। विज ने कहा कि छावनी में डोमेस्टिक एयरपोर्ट के टर्मिनल का निर्माण अधिकारी तय समय में पूरा करें। ताकि उड़ान सेवा को जल्द से जल्द प्रारंभ किया जा सके। निर्माण कार्यों को लेकर उन्होंने अधिकारियों से चर्चा की, तथा टर्मिनल में यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं व अन्य प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टर्मिनल में यात्री व वीआईपी के लिए अलग से बैठने की सुविधा होनी चाहिए। इसके अलावा टर्मिनल के बाहर लाइटस, पार्किंग व अन्य प्रावधान भी तय समय में पूरे होने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि जल्द अंबाला से उड़ान सेवा देश के अन्य शहरों के लिए प्रारंभ हो सके। बैठक में पूर्व मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

## राहगीरी कार्यक्रम में कलाकार दिखाएंगे हुनर

- सीएम सैनी मुख्यअतिथि के तौर पर होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

उपायुक्त डॉ. शालीन ने बताया कि रविवार को हर्बल पार्क के नजदीक आयोजित होने वाले राहगीरी कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रातः 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि यह सामाजिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन की भागेदारी होगी। अधिक से अधिक लोग शामिल होकर इस कार्यक्रम की भव्यता बढाएंगे। उन्होंने बताया कि राहगिरी में नुक्कड़ नाटक, सडक़ सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा, नशामुक्त जैसे विषयों पर अलग-अलग विभागों द्वारा जागरूकता फैलाने के लिए स्टॉल लगाई जाएंगी। इसमें पंचायत विभाग, पुलिस विभाग और रेडक्रॉस सोसाइटी अपनी भूमिका निभाएंगे। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग द्वारा अपने स्टॉल लगाए जाएंगे और डॉक्टरों की टीम वहां मौजूद रहेगी।

## महिला ने जुड़वा बच्चियों को दिया जन्म दोनों के शरीर अलग पर दिल एक

- चिकित्सकों ने बच्चियों को पीजीआई किया रेफर, वहां से बिना उपचार फिर रेफर किया नागरिक अस्पताल, परेशान परिजन घर ले गए बच्चियों को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। नवजात बच्चियों की फोटो।

अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल में एक महिला ने जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया है। दोनों बच्चियों का शरीर अलग है लेकिन दिल एक ही है। महिला की डिलीवरी तो नॉर्मल हुई लेकिन बच्चियों की हालत बिगड़ गई। इसी वजह से चिकित्सकों ने बच्चियों को पीजीआई रेफर कर दिया है। हालांकि पीजीआई के चिकित्सकों ने नवजात बच्चियों को वापस अंबाला कैंट सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से चिकित्सकों ने फिर पीजीआई रेफर किया। चिकित्सकों की हर हरकत से परेशान परिजन बच्चियों को अपने घर ले गए हैं। मूलरूप से बिहार के गांव समस्तीपुर का चुनचुन पत्नी शुकंतला के साथ अंबाला कैंट के हुड्डा सेक्टर-34 में किराये पर रहता है। प्रसव पीड़ा होने के चलते चुनचुन ने अपनी पत्नी शकुंतला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां, शुकंतला के गर्भ में जुड़वां बच्चे होने की संभावना डॉक्टर ने जताई थी। जब नॉर्मल डिलीवरी हुई तो पता चला कि दोनों बच्चियों की छाती,पेट जुड़े हुए हैंलेकिन छाती से ऊपर का हिस्सा और पेट से नीचे का हिस्सा अलग-अलग है। डॉक्टरों के मुताबिक, डिलीवरी के बाद नवजात बच्चियों का अल्ट्रासाउंड कराया गया जिसमें खुलासा हुआ कि नवजात बच्चियों का शरीर अलग-अलग है, लेकिन दोनों का दिल एक है।

## भाजपा नेत्री ने पौधरोपण कर मनाया वन महोत्सव

**बराड़ा।** भाजपा नेत्री सोनिया परोचा ने 75 वां वन महोत्सव मनाने के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 1950 से विश्व स्तर पर पर्यावरण दिवस मनाए जाने को 7 दशक से अधिक समय हो चुका है। इन वर्षों में मानव लालच ने पहाड़ों, जंगल, नदियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को अंधाधुंध नष्ट कर दिया है और मानव और प्रकृति के बीच की दूरी बढ़ा दी है। केवल चार दशकों में हमने अपनी धरती माँ को जलती भट्टी में बदल दिया है। अमृत की तरह बहती नदियों में विष घुल गए हैं। इस घटना ने मनुष्य को खुली हवा में सांस लेने में असक्षम बना दिया है। उन्होंने कहा, ₹जब हमारी आने वाली पीढ़ियों का विनाश हो रहा है, तो मनुष्य थोड़ा जागरूक हो रहा है। हम सब इस जागरूकता को बढ़ाएं। पर्यावरण दिवस, जल दिवस और पृथ्वी दिवस को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर, इसे हर दिन मनाने का संकल्प लें।

बराड़ा। पौधरोपण करते हुए सोनिया परोचा।

### काले कपड़े पहनकर सड़कों पर निकले कर्मचारी, सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

## पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने सड़कों पर निकाला रोष मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पेंशन बहाली संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को पुरानी पैंशन बहाली को लेकर पंचायत भवन से लघु सचिवालय तक रोष प्रदर्शन किया।इस रोष प्रदर्शन में जिले के सभी विभागों के हजारों की संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।कर्मचारी एक सुर में पुरानी पेंशन बहाली की मांग की।राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि सरकार प्रदेश के 2 लाख कर्मचारियों की जायज मांग और हक को बहाल करें। रोष प्रदर्शन एक सरकार के लिए एक चेतावनी मात्र है।अगर पुरानी पेंशन नीति बहाल नहीं की जाती तो पंचकूला में 1 सितंबर को लाखों की संख्या में कर्मचारी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।जिला प्रधान रमेश कुमार ने बताया कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति लगातार 2018 से पुरानी पेंशन की लड़ाई लड़ रही हैं लेकिन सरकार ने अभी तक हमारी मांग को गंभीरता से नहीं लिया है।उन्होंने बताया कि जिला रोष प्रदर्शन सरकार के लिए एक ट्रेलर है। इसके बाद एक सितंबर 2024 को पूरे प्रदेश के सभी विभागों के कर्मचारी पंचकूला में मुख्यमंत्री आवास घेराव करेंगे जिसकी पूर्णता जिम्मेवारी सरकार की होगी।उन्होंने कहा कि सरकार को हमारी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।यह 2 लाख एनपीएस पीड़ित कर्मचारियों और उनके परिवार के भविष्य का सवाल हैं। जिला महासचिव सुदेश कुमार ने कहा कि एनपीएस के तहत 500,700,1200,2000 महीना रुपये तक की पेंशन बन रही है जो कर्मचारियों के साथ एक भद्दा मजाक है। इस पेंशन से एनपीएस पीड़ित कर्मचारियों का गुजारा नहीं कर पा रहे है ।जिला संयोजक विजय कुमार ने कहा कि सभी एनपीएस कर्मचारी अपनी मांग के लिए एकजुट है।और आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी कर्मचारी उस पार्टी को वोट करेंगे जो पार्टी उनकी पुरानी पेंशन बहाली का वायदा करेगी।राज्य उपप्रधान कमलदीप ने कहा कि सरकार द्वारा तय कमेटी को पुरानी पेंशन बहाली के संबंध जो आंकड़े उन्होंने मांगे थे दिए जा चुके हैंलेकिन सरकार ने उन आंकड़ों को न तो समझा और न ही गंभीरता से लिया। एक साल से हमारे साथ कोई बातचीत नहीं की।सरकार को पुरानी पेंशन नीति के बहाली के प्रति गंभीरता दिखानी होगी।

अंबाला। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन देते व एकजुट कर्मचारी।

#### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राज्य कार्यकारणी से आनंद कंवर महिला विंग प्रभारी राज बाला कौशिक, जिला संयोजक विजय कुमार उपप्रधान सतबीर देसवाल, सोनू यादव, सतीश कुमार, तिलक सिंह, संदीप, ब्लॉक अम्बाला प्रधान हैप्पी पांचाल, ब्लॉक महासचिव दलबीर सिंह, राजकुमार, दलबीर, प्रवीण, प्रवेश, पूनम वर्मा, संतोष, शशि, उर्मिला, राजेश शर्मा, मदन लाल, प्रकाश, प्रवेश, लहरी सिंह, सहित सभी विभागों के कर्मचारी आक्रोश मार्च में शामिल रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

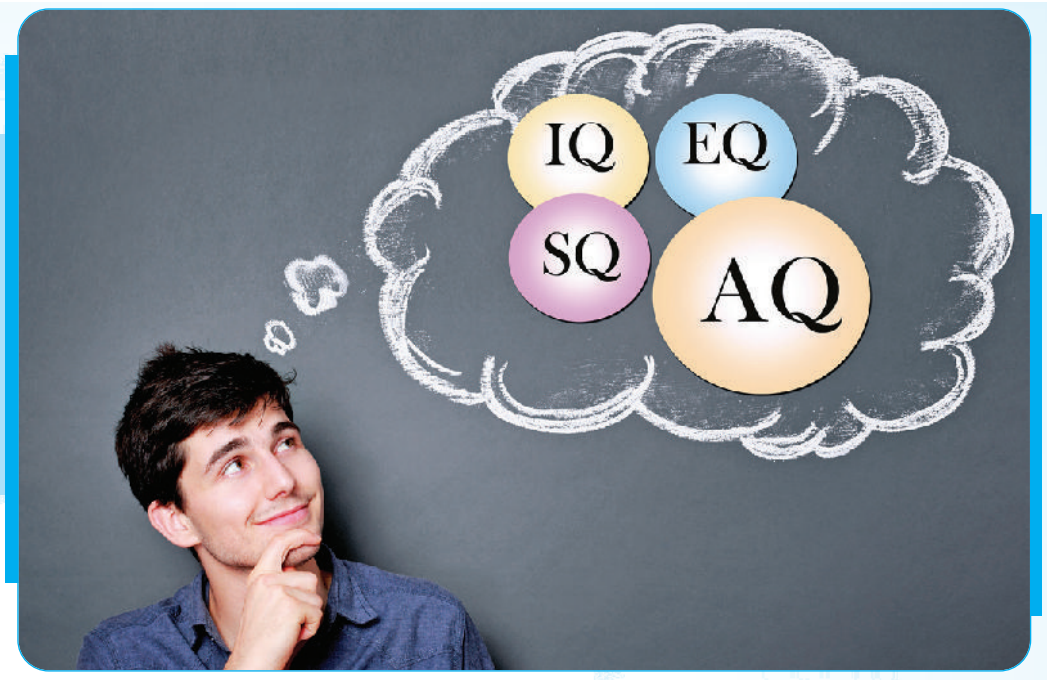


# आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

## आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

## मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

## इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

## बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

## सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का मादा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

## विराट कोहली का एक्यू है हाई

**कई बार** हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

# लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

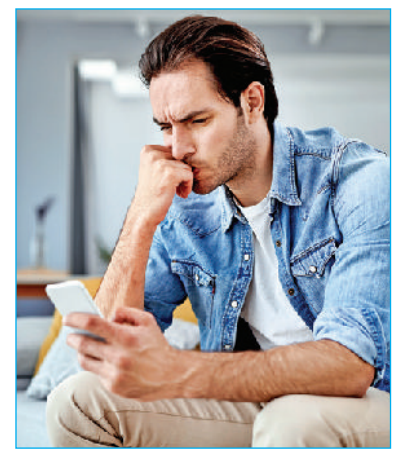

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

**बेवजह की बेचैनियों से परेशानः** आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

**वजह हैं ज्यादा ऑप्शंसः** क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

**पहले हम रहते थे सुकून सेः** आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

**ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशानः** 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

**टफ बन रहा जीवन :** ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## नहीं होता जहां कुछ भी

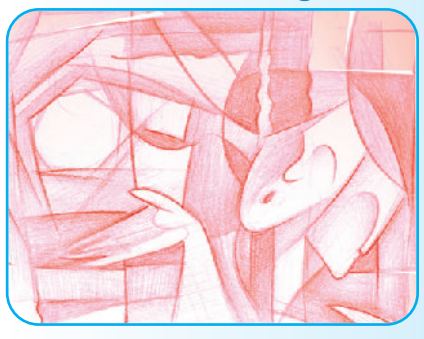

नहीं होता जहां कुछ भी ख़याले-ख़ाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज़्म में जाने से मेरा क़द नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफ़िल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हक़ीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की ख़ातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफ़सोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

# करुणा का बीज

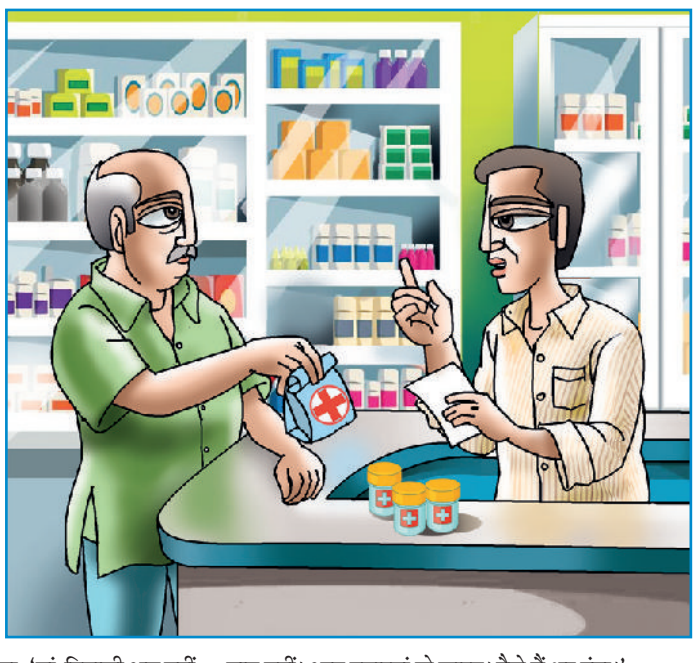

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

# अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

{ कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक }

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

## गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

## सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

## विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

### उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

{ मनी मैटर्स / शैलेंद्र सिंह }

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

# फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

**गुड क्रेडिट स्कोर के फायदेः** बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

**क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोरः** भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

**कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोरः** अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

{ मेल जोन / विवेक कुमार }

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

# यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

**अट्रैक्टिव अंडरकटः** पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।



**क्लासिक क्विफः** यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

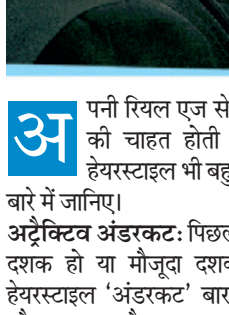

**क्लासिक पोंप डोरः** यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

**क्रू कटः** पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

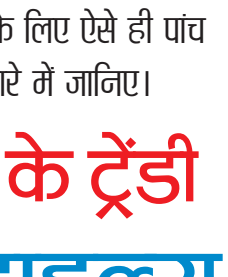

**आर्मी कटः** आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

{ बॉलीवुड फिल्में / डी.जे.नंदन }

# फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

**जनवरीः** 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

**फरवरीः** साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

**मार्चः** अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

**अप्रैलः** अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

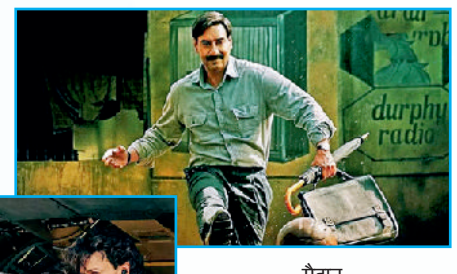


मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणिति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

**मईः** बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावीः ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी'भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

**जूनः** जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *